A–0187

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–603

M.A. Sanskrit (MASL)

(सिद्धान्तकौमुदी कारक एवं समास भाग-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. "कर्मणि द्वितीया" सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

2. 'गम्' अथवा 'एध्' धातु के लट् लकार के रूप सूत्रनिर्देश पूर्वक सिद्ध कीजिए।

3. 'गतिबुद्धिप्रत्यवसानार्थ शब्दकर्माकर्मकाणामणि कर्ता स णौ' सूत्र का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित को सूत्र निर्देशापूर्वक सिद्ध कीजिए–

   (क) द्रोणों व्रीहि:

   (ख) रामेण बाणेन हतो बाली

   (ग) अक्ष्णा काण:

   (घ) यवेभ्य: गां वारयति

अथवा

''ध्रुवमपायेऽपादानम्'' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** रूपों की सिद्धि सूत्रनिर्देशपूर्वक कीजिए–

   (क) भवन्ति

   (ख) श्रोष्यति

   (ग) एधते

   (घ) पचति

अथवा

''नम: स्वस्तिस्वाहास्वधालम्वषड्योगाच्च'' सूत्र की सोदाहरण पूर्वक व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ''लः कर्मणि च भावे चाऽकर्मकेभ्यः'' सूत्र की व्याख्या करते हुए सकर्मक एवं अकर्मक का विवेचन कीजिए।
2. 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' सूत्र में तमब्ग्रहण का क्या प्रयोजन है ?
3. ''येनाङ्गविकारः'' सूत्र को उदाहरणपूर्वक परिभाषित कीजिए।
4. सूत्रनिर्देशपूर्वक 'भवामि' अथवा 'शृणोति' में से किसी **एक** रूप को सिद्ध कीजिए।
5. प्रथामा विभक्ति का विधान किस सूत्र से होता है विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. उपपद द्वितीया विभक्ति का विवेचन कीजिए।
7. अस् अथवा दुह् धातु के लट् एवं लङ् लकार में रूप लिखिए।
8. ''उभयप्राप्तौ कर्मणि'' सूत्र का उदाहरण सहित प्रतिपादन कीजिए।

****